बिहार विधान परिषद

(197वां बजट सत्र)

Short Notice Questions For Written Answers

26 फरवरी, 2021

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

Total Short Notice Question- 11

उपयोगिता प्रमाण-पत्र भेजने का निदेश

*29 **श्री रण विजय कुमार सिंह (विधान सभा):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य के छात्रों एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रोत्साहन योजना, छात्रवृत्ति योजना, पोषाक योजना, साइकिल योजना और कन्या उत्थान योजना सरकार के द्वारा चलाई जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में अधिकांश जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में उपरोक्त सभी योजनाओं के मद में खर्च की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र विभाग को उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिस पर वित्त विभाग द्वारा भी नाराजगी व्यक्त की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिन-जिन जिलों से उपयोगिता प्रमाण-पत्र अभी तक विभाग को उपलब्ध नहीं कराया गया है, उससे संबंधित पदाधिकारी को उपयोगिता प्रमाण-पत्र शीघ्र भेजने का निदेश देना चाहती है?

चहार दीवारी का निर्माण एवं अतिक्रमण से मुक्ति

*30 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि औराई प्रखंड के भदई गांव में अवस्थित प्राथमिक कन्या विद्यालय, मुजफ्फरपुर में चहारदीवारी नहीं होने के कारण विद्यालय अतिक्रमण की लपेट में आ गया है;

(ख) क्या यह सही है कि विद्यालय में अतिक्रमण और चहारदीवारी के लिए कई बार शिक्षा विभाग एवं जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को सूचना दी गई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्राथमिक कन्या विद्यालय, मुजफ्फरपुर में चहारदीवारी का निर्माण कराने और उसे अतिक्रमण मुक्त कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

माध्यमिक विद्यालय को भी मध्य विद्यालय से अलग

***31 डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के संचालक एवं प्रधानाध्यापक की नियुक्ति अलग-अलग की जाती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय को भी मध्य विद्यालय से अलग कर के संचालक एवं प्रधानाध्यापक की नियुक्ति करने का विचार रखती है?

नाट्य एवं रंगमंच के डिग्री धारक की नियुक्ति

***32 प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि नाट्य एवं रंगमंच विषय में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी छात्र-छात्राओं को अबतक राज्य के विद्यालयों/महाविद्यालयों में नियुक्त करने की कार्रवाई नहीं की गई है;

(ख) क्या यह सही है कि NCF 2005 में लोक कलाओं/ललित कलाओं के अन्तर्गत

नाट्य विषय स्वीकृत है तथा NCF 2009 एवं नई शिक्षा नीति में भी प्रत्येक शिक्षण संस्थानों में नाटक के माध्यम से पढ़ाई पर जोर दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार नाट्य एवं रंगमंच में डिग्री धारक छात्र-छात्राओं को राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों में नियुक्त करने का विचार रखती है?

उच्च विद्यालय का निर्माण

***33 श्री सुमन कुमार (मधुबनी स्थानीय प्राधिकार):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के कलुआही प्रखण्ड अंतर्गत एक भी कन्या उच्च विद्यालय नहीं होने के कारण छात्राओं को 15 किलोमीटर दूरी तय कर दूसरे प्रखण्ड में पठन-पाठन के लिए जाना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि कलुआही प्रखण्ड के लोगों ने माननीय शिक्षा मंत्री को जिला पदाधिकारी के माध्यम से यह अवगत कराया था कि विद्यालय के निर्माण हेतु पर्याप्त भूमि उपलब्ध है;

(ग) क्या यह सही है कि विद्यालय के निर्माण हेतु पर्याप्त भूमि उपलब्ध होने के बावजूद विद्यालय के निर्माण में विभाग द्वारा कोई पहल आज तक नहीं की गयी है;

(घ) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार मधुबनी जिला के कलुआही प्रखण्ड में उपलब्ध भूमि पर कन्या उच्च विद्यालय का निर्माण कराना चाहती है?

स्नातक पाठ्यक्रम में सीट वृद्धि

***34 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सभी प्रमण्डलीय मुख्यालयों में अलग-अलग विश्वविद्यालय की स्थापना के कारण स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं के नामांकन का दबाव बढ़ा है, लेकिन अंगीभूत तथा संबद्ध महाविद्यालयों में

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु लगभग पांच वर्षों से सीट वृद्धि नहीं होने के कारण बहुत सारे छात्र-छात्राओं को नामांकन से वंचित हो जाना पड़ता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार राज्य के विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के सकल नामांकन अनुपात (GER) को बढ़ाने हेतु स्नातक पाठ्यक्रम में सीट वृद्धि के साथ-साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की भी शुरुआत करना चाहती है, नहीं तो क्यों?

ऐच्छिक स्थानांतरण का विचार

***35 श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत नियोजित शिक्षकों के दिव्यांग, महिला शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को (अन्तर जिला सहित) अन्तर इकाई में एक बार स्थानांतरण का प्रावधान किया गया है, जबकि पुरुष शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरण का प्रावधान किया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार पुरुष शिक्षकों का भी (अन्तर जिला सहित) अन्तर नियोजन इकाई में ऐच्छिक स्थानांतरण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

उचित अंक पत्र

***36 डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि विदिका सिंह, रौल कोड- 16037, क्रमांक – 19010009,

सूची संख्या – आर- 160370006-16 संकाय – साइंस, रामदुलारी जगदीप +2 उच्च विद्यालय, बहुआरा, चांद, कैमूर ने प्रथम श्रेणी से इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा वर्ष, 2019 में उत्तीर्ण की है;

(ख) क्या यह सही है कि विदिका सिंह को निर्गत वार्षिक परीक्षा के प्रवेश पर पर उनका ही फोटो छपा हुआ है, जबकि उसके पश्चात निर्गत किए गए उनके अंक पत्र पर किसी दूसरे पुरुष का फोटो छपा हुआ है;

(ग) क्या यह सही है कि इस अव्यवहारिक कठिनाई के कारण विदिका सिंह मानसिक रूप से परेशान है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार जानबूझकर ऐसी गड़बड़ी कर उत्कोच को बढ़ावा देने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए विदिका सिंह के अंक पत्र के बदले उचित अंक पत्र कबतक निर्गत करना चाहती है?

मोइनुल हक स्टेडियम की सुधार

***37 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

Will the **कला, संस्कृति एवं युवा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि विश्वकप समेत क्रिकेट के चार अन्तर्राष्ट्रीय मैचों का गवाह रहा पटना का मोइनुल हक स्टेडियम बहुत बदहाल हो गया है;

(ख) क्या यह सही है कि इसके मैदान में दो फीट घास उग आई है, दर्शकों के लिए बची गैलरी जर्जर हो गई है, दो पवेलियन का हाल बेहाल है;

(ग) क्या यह सही है कि इस स्टेडियम का ड्रेनेज सिस्टम काम नहीं कर रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्टेडियम के इस बुरे हाल के लिए जिम्मेवार पदाधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और इसकी स्थिति को सुधारेगी?

उच्च विद्यालय में प्लस टू की पढई

***38 श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के अगिआंव प्रखंड में सर्वोदय उच्च विद्यालय हैं;

(ख) क्या यह सही है कि कई वर्ष से प्लस टू विद्यालय का भवन बनकर तैयार है;

(ग) क्या यह सही है कि प्रधानाध्यापक जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर की लापरवाही के कारण प्लस टू विद्यालय की पढ़ाई का कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई करते हुए सर्वोदय उच्च विद्यालय में प्लस टू की पढ़ाई कब से शुरू कराना चाहती है?

स्टेडियम का निर्माण

***39 श्री राजन कुमार सिंह (स्थानीय प्राधिकार, औरंगाबाद):**

Will the **कला, संस्कृति एवं युवा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के गेट स्कूल एवं देव प्रखंड के राजा जगन्नाथ हाई स्कूल में खेल मैदान अवस्थित हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त मैदानों में राज्य स्तर पर खेलकूद का आयोजन किया जाता है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त दोनों खेल के मैदानों में स्टेडियम का निर्माण नहीं कराया गया है जिससे दर्शकों एवं आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना

पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त दोनों खेल के मैदानों में स्टेडियम का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?